विमला

समक्ष पेश हो।

9/1/18 वादिया विमला की प्रार्थना पत्र मय शपथपत्र
पेश हुई। वादिया नं. 1 ने प्रार्थना पत्र पेश कर
निवेदन किया कि वह अपने भाई को मुकदमा नहीं
चलाना चाहती विक्रय करना चाहती है। वादिया
की पहचान श्री सियाराम रतन चतुर्वेदी एडवोकेट ने
की। वादिया नं. 1 व 2 अपने भाई को विक्रय कर
चुकी है इसलिये वाद खारिज किया जाता है।
पत्रावली बैनियम मुताबिक होकर नम्बर से कटे
तथा बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।